UP Board Notes Class 6 Sanskrit Chapter 3 अस्माकं परिवेशः

शब्दार्थाः –

क्रीडाक्षेत्रम् = खेल का मैदान,
वेगेन = तेज गति से,
सहचरैः सह = मित्रों के साथ,
उत्साहेन = खुशी से,
शिक्षायै = शिक्षा के लिए,
आपणम् = बाजार,
बहिः = बाहर,
पक्वानि = पके हुए,
कोकिलाः = कोयलें
पादपान् = पौधों को,
सिञ्चति = सींचती है,
तडागः = तालाब।
अमराः = मँवरे।
गुञ्जन्ति = गूंजते हैं।
सम्प्रति = इस समय।
अश्वत्थः = पीपल का वृक्ष,
वट = बरगद,
निम्बः = नीम्।

(क) तृतीया विभक्तिः

इदं क्रीडाक्षेत्रम्.....................कीडन्ति। |
हिन्दी अनुवाद – यह खेल का मैदान है। बालक गेंद से खेलते हैं। कुछ बालक जोर से भागते हैं। हम दोनों नेत्रों से बालकों को देखते हैं। बालक साथियों सहित खेलते हैं। यहाँ लड़कियाँ भी उत्साह से खेलती हैं।

(ख) चतुर्थी विभक्तिः

विद्यालयाः......................गच्छति।
हिन्दी अनुवाद – विद्यालय शिक्षा के लिए होते हैं। छात्र पढ़ने के लिए विद्यालय में जाते हैं। हम भी पढ़ने के लिए विद्यालय जाते हैं। तुम भी शिक्षा के लिए वहाँ जाते हो। वे (लड़के) और वे सब (लड़कियाँ) भी शिक्षा के लिए विद्यालय जाते हैं। वह पुस्तिका के लिए पुस्तकालय जाती है।

(ग) पञ्चमी विभक्तिः

https://www.evidyarthi.in/

इदम् उपवनं......................नयन्ति। |
हिन्दी अनुवाद – यह उपवन गाँव से बाहर है। लोग घरों से यहाँ आते हैं। माली कुएँ से जल लाता है। वह जल से पेड़ों को सींचता है। जब फल पक जाते हैं, तब वे पेड़ों से गिरते हैं। उपवन का रक्षक उपवन से फलों को बाजार में लाता है। लोग उन्हें बाजार से घर ले जाते हैं।

(घ) षष्ठी विभक्तिः

इदम् एकम्...........सिञ्चति च।।
हिन्दी अनुवाद – यह एक सुन्दरं उद्यान है। जब सुबह सूर्य का प्रकाश होता है, तब प्रकाश से उद्यान की शोभा होती है। भंवरे फूलों पर मँडराते हैं। कोयलें वृक्षों पर कूकती हैं। संजीव की माता उद्यान की रक्षा करती हैं। और पौधों को सींचती है।

(ङ) सप्तमी विभक्तिः

प्रातःकाले............आवश्यकम्।
हिन्दी अनुवाद – सवेरे हम उद्यान जाते हैं। उद्यान में लोग घूमते हैं। वहाँ हम वृक्षों को देखते हैं। उद्यान में बरगद, आम, नींबू, पीपल और दूसरे पेड़ भी होते हैं। पक्षी पेड़ों पर निवास करते हैं। वृक्षों पर पके फल होते हैं। बेलों पर फूल खिलते हैं। उद्यान में एक तालाब भी है। जल में कमल खिलते हैं। कमलों पर भंवरे गूंजते हैं। तालाब में मछलियाँ भी हैं। शाम को बालक और बालिकाएँ उद्यान में खेलते हैं। आजकल वायु प्रदूषण दूर करने के लिए नगर में उद्यान आवश्यक है।

https://www.evidyarthi.in/